कानूनी बदलावों से भारतीय कॉरपोरेट सेक्टर होगा सशक्त : अक्षत खेतान

देश प्राण संवाददाता

रांची, 4 दिसंबर : एयू कॉरपोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज के संस्थापक अक्षत खेतान ने रांची में मीडिया को संबोधित करते हुए भारत में तेजी से परिपक्व होते कानूनी इकोसिस्टम की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि दिवालियापन कानून, कॉरपोरेट गवर्नेंस और नियामक ढांचे में हुए सुधारों ने व्यवसाय पुनरुद्धार और निवेशक विश्वास को मजबूत आधार प्रदान किया है। श्री खेतान ने बताया कि समय पर कानूनी हस्तक्षेप, बोर्ड स्तर पर जवाबदेही, पारदर्शिता और नैतिक निर्णय प्रक्रिया आज कॉरपोरेट क्षेत्र में विश्वास बहाली के मुख्य स्तंभ बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल आर्थिक विकास ही नहीं, बल्कि सतत और सुरक्षित व्यवसायिक संरचना की

दिशा में भी निर्णायक कदम बढ़ा रहा है।

एमएसएमई सेक्टर को सशक्त करने पर बल

एमएसएमई क्षेत्र के बारे में श्री खेतान ने कहा कि यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन सीमित ऋण उपलब्धता, भुगतान में देरी और कमजोर पुनर्गठन व्यवस्था जैसी चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कई एमएसएमई संचालन विफलता के नहीं, बल्कि समय पर कानूनी मार्गदर्शन और संस्थागत समर्थन के अभाव में बंद हो जाते हैं। इसलिए, एमएसएमई कानूनी इकोसिस्टम को मजबूत करना समय की मांग है।

रिकवरी नहीं, 'रिवाइवल' मॉडल अपनाएं बैंक

श्री खेतान ने वित्तीय संस्थानों को रिकवरी-ड्रिवन दृष्टिकोण से आगे बढ़कर रिवाइवल-ओरिएंटेड सोच अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आक्रामक रिकवरी कदम अक्सर ऐसी इकाइयों को बंद कर देते हैं जिनमें दीर्घकालिक क्षमता मौजूद होती है। पुनर्गठन, ओटीएस, मध्यस्थता आधारित समाधान और चरणबद्ध पुनर्भुगतान मॉडल जैसे उपाय व्यवसायों को बचाने और ऋणदाताओं के हित सुरक्षित रखने में अधिक कारगर हो सकते हैं। प्रेस वार्ता में रोहित प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे।